HUMANA
PEOPLE TO PEOPLE INDIA

# 2025–26

## परिचय

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया (एचपीपीआई) वर्ष 1998 से पंजीकृत एक विकास संगठन है। हम ग्रामीण और शहरी समुदायों के लोगों के साथ मिलकर उनके ज्ञान, कौशल और क्षमताओं को बढ़ाने का काम करते हैं, ताकि वे बेहतर जीवन जी सकें और अधिक आत्मनिर्भर बन सकें।

हम शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में काम करते हैं। वर्ष 2025–26 में, एचपीपीआई ने 16 राज्यों के 98 जिलों में 130 परियोजनाएँ संचालित कीं, ये विकास परियोजनाएँ 15.2 लाख लोगों तक पहुँची।

हमारे कार्यक्रम समुदायों, सरकारी संस्थानों और विकास के काम में जुटे सहयोगियों के साथ मिलकर सुदृढ़ और समानता पर आधारित, टिकाऊ समाज के निर्माण करने के लिए जन भागीदारी, सामूहिक प्रयास और स्थानीय लोगों के नेतृत्व में समाधान खोजने पर आधारित हैं।

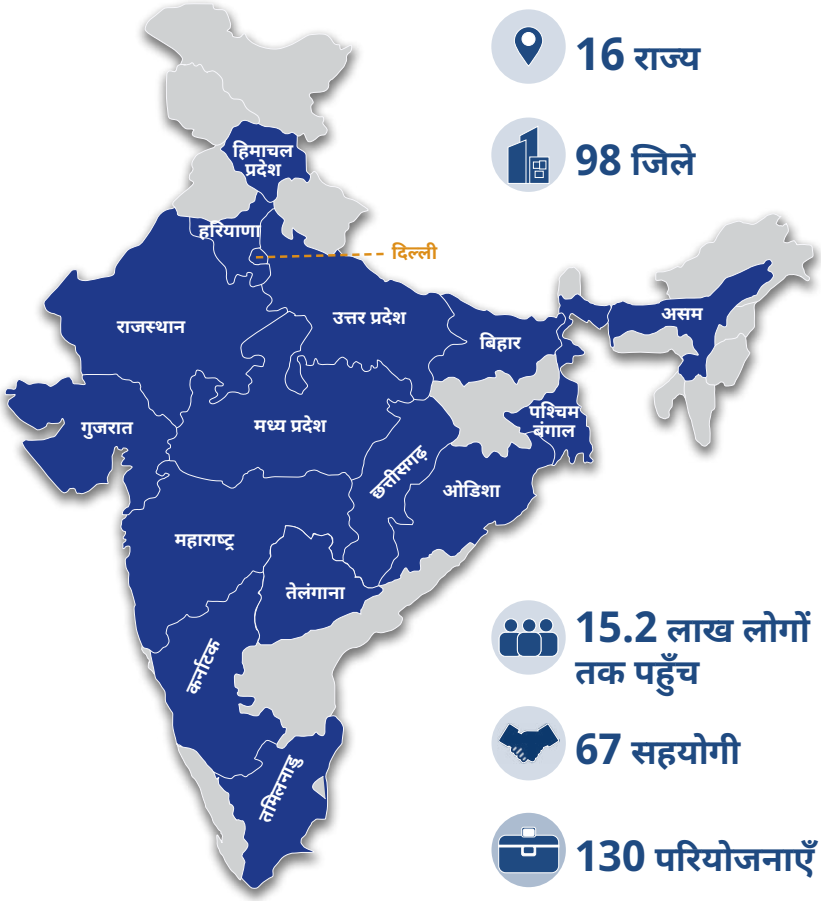


**16 राज्य**

**98 जिले**

**15.2 लाख लोगों तक पहुँच**

**67 सहयोगी**

**130 परियोजनाएँ**

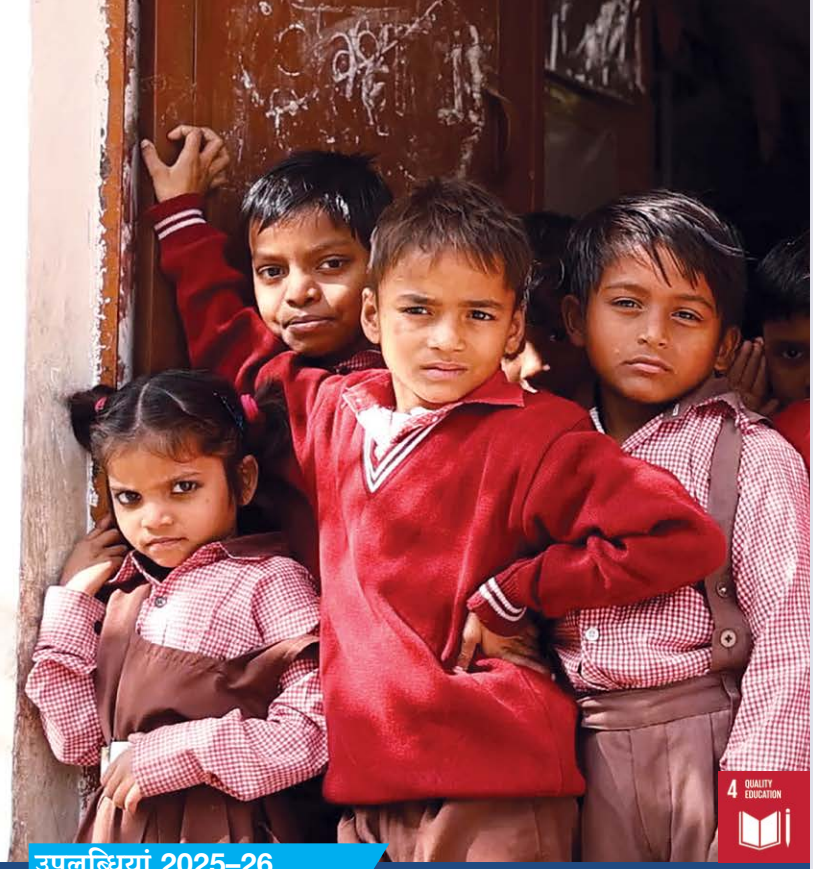

# शिक्षा

एचपीपीआई सभी तक, विशेष रूप से वंचित समुदायों के बच्चों और युवाओं के लिए अच्छी शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने का काम करता है। हमारे समावेशी शिक्षा कार्यक्रमों में बच्चों की सक्रिय भागीदारी और उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाता है, जो उन्हें ज्ञान प्राप्त करने, स्वयं निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने और उनका आत्मविश्वास बढ़ने में मदद करते है।

- **कदम कार्यक्रम** एचपीपीआई की एक पहल है, जो सरकारी स्कूलों के साथ मिलकर बच्चों के लिए रोचक और प्रभावपूर्ण सीखने का वातावरण तैयार करता है। यह कार्यक्रम स्कूल से वंचित बच्चों को दोबारा औपचारिक शिक्षा से जोड़ने में मदद करता है। साथ ही, स्कूल में पढ़ रहे बच्चों की पढ़ाई में आई कमियों को दूर करने और उनकी शिक्षा को जारी रखने में सहायता करता है।
- **आवश्यक शिक्षक प्रशिक्षण (एनईटीटी) कार्यक्रम** सरकारी संस्थानों में शिक्षक बनने से पहले दी जाने वाली शिक्षा को बेहतर बनाने का काम करता है। इसमें ऐसी शिक्षण विधियों का उपयोग कर विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण पर जोर दिया जाता है। साथ ही, यह डायट को उत्कृष्ट प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में विकसित करने में सहायता करता है। एनईटीटी कार्यक्रम प्रशिक्षु शिक्षकों को कक्षा में प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए तैयार करता है, उन्हें अपने शिक्षण में सुधार करने और बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखकर पढ़ाने की क्षमता विकसित करने में मदद करता है। इससे स्कूली शिक्षा की सम्पूर्ण गुणवत्ता में सुधार होता है।
- **लड़कियों के लिए सीखने के समान अवसर** बढ़ाने के लिए हम किशोरों, खासकर लड़कियों को पढ़ाई में मदद, जीवन कौशल, स्वास्थ्य की जानकारी और व्यक्तित्व विकास के माध्यम से आगे बढ़ने में सहायता करते हैं।

### उपलब्धियां 2025–26

**156,302** आउट-ऑफ-स्कूल और विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों तक कदम कार्यक्रम के माध्यम से पहुँच

**7,416** छात्र-अध्यापक एनईटीटी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षणरत

### कुल उपलब्धियां

**582,551** बच्चों को 2015 से अब तक कदम कार्यक्रम के माध्यम से सीखने में सहयोग प्रदान किया

**22,902** छात्र-अध्यापकों ने 2009 से अब तक एनईटीटी कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण पूरा किया

# स्वास्थ्य

एचपीपीआई सामुदायिक स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं को पूरा करने में सहयोग करता है। हमारा उद्देश्य लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुँच, कमजोर और जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाना और जागरूक एवं स्वस्थ समुदाय का निर्माण करना है। हमारे कार्यक्रम टीबी, एचआईवी/एड्स, गैर-संचारी रोगों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है, जिसमें महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

- **क्षय रोग (टीबी):** हम कमजोर और वंचित समुदायों के साथ मिलकर तथा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के सहयोग से टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, बीमारी की जल्दी पहचान, उचित उपचार के लिए रेफर करने, नियमित रूप से इलाज जारी रखने के साथ ही, दवा-प्रतिरोधी टीबी से पीड़ित लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में सहायता करते हैं।
- **एचआईवी/एड्स:** एचपीपीआई सामुदायिक स्तर पर राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के सहयोग से कमजोर और अधिक जोखिम वाले लोगों के साथ मिलकर एचआईवी/एड्स से बचाव, जाँच, उचित उपचार के लिए रेफर करने और देखभाल से जुड़ी सेवाएँ प्रदान करता है।
- **सामुदायिक स्वास्थ्य और असंचारी रोग:** हम लोगों की स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, स्वास्थ्य जाँच और सेवाओं तक पहुँच को बढ़ावा देते हैं। जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और गैर-संचारी रोगों से बचाव पर विशेष ध्यान दिया जाता है। हम स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों के साथ मिलकर उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने तथा आंगनवाड़ी केंद्रों और महिला स्वास्थ्य समूहों को सहयोग देने का काम करते हैं।

### उपलब्धियां 2025–26

**313,006** लोगों को गैर-संचारी रोगों के बारे में जानकारी और उनकी स्वास्थ्य जाँच की

**122,436** लोगों को टीबी के बारे में जानकारी और उनकी जाँच की

### कुल उपलब्धियां

**4.37** लाख लोगों को 2015 से अब तक टीबी के बारे में जानकारी और उनकी स्वास्थ्य जाँच की

**237,804** बच्चों और महिलाओं को 2016 से अब तक स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में सहायता की

## उपलब्धियां 2025–26

**156,302** बच्चों और वयस्कों ने पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रमों में भाग लिया

**3,783** लोगों को सुरक्षित पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई

**233** सोलर लाइट और सोलर पैनल लगाए

## कुल उपलब्धियां

**2.52** लाख पेड़ 2007 से अब तक लगाए

**1,627** बायोगैस संयंत्र 2010 से अब तक बनाए

# पर्यावरण

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारत के पर्यावरण, कृषि और लोगों की आजीविका पर लगातार बढ़ रहा है। एचपीपीआई समुदायों के साथ मिलकर टिकाऊ कृषि, वृक्षारोपण, पर्यावरण जागरूकता, नवीकरणीय ऊर्जा और कपड़ों के पुनः उपयोग के माध्यम से लोगों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए सक्षम बनाने का काम करता है।

- **समग्र ग्रामीण विकास:** किसान समूह रसायन-मुक्त और जलवायु के अनुकूल खेती को बढ़ावा देकर मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करते हैं, कृषि लागत कम करते हैं, तथा खाद्य सुरक्षा और आजीविका को मजबूत करते हैं।
- **वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता:** स्कूल के बच्चें, समुदाय और सहयोगी वृक्षारोपण अभियान, इको क्लब और कीटनाशक-मुक्त पोषण वाटिकाएँ लगाने में भाग लेते हैं।
- **बायोगैस:** एचपीपीआई परिवार के लिए उपयुक्त बायोगैस संयंत्र लगाने को बढ़ावा देता है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा मिलती है, स्वच्छता बढ़ती है और ग्रामीण परिवारों का स्वास्थ्य बेहतर होता है।
- **पुनः उपयोग और चक्रीय व्यवस्था:** एचपीपीआई पुराने कपड़े एकत्र कर, उन्हें दोबारा इस्तेमाल के लिए बेचकर या पुनः उपयोग में लाकर उनके जीवनचक्र को बढ़ाता है, जो पर्यावरण और समाज दोनों के लिए लाभप्रद है। यह पहल कपड़ा उद्योग में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी योगदान देती है।

## उपलब्धियां 2025–26

**8,731** महिलाओं ने अपना व्यवसाय शुरू किया या उसे बढ़ाया

**2500** महिलाओं को सहयोग प्रदान किया, जो असम की 25 हथकरघा सहकारी समितियों से थीं

## कुल उपलब्धियां

**59,231** महिलाओं ने 2015 से अब तक अपना व्यवसाय शुरू किया या उसे बढ़ाया

# आजीविका

टिकाऊ आजीविका गरीबी कम करने, लोगों को कठिन परिस्थितियों से निपटने में सक्षम बनाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। एचपीपीआई महिलाओं, युवाओं, किसानों, कारीगरों और अन्य कमजोर वर्ग के लोगों को जानकारी, कौशल, आत्मविश्वास और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराता है, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर कर सकें और अधिक आत्मनिर्भर बन सकें।

- **महिलाओं को उद्यमी बनने में सहायता:** महिलाओं को व्यवसाय के अवसर पहचानने, व्यवसाय की योजना बनाने, उत्पादन बढ़ाने और बाजार तक पहुँच बनाने में सहायता दी जाती है।
- **वित्तीय और डिजिटल साक्षरता:** वित्तीय योजना, ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, ई-कॉमर्स और व्यवसायिक रिकॉर्ड रखने का प्रशिक्षण लोगों में तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में बेहतर ढंग से भाग ले पाने का आत्मविश्वास बढ़ाता है।
- **डिजिटल उद्यमिता:** महिलाओं को डिजिटल साधनों और प्लेटफॉर्म का उपयोग कर अपना व्यवसाय शुरू करने और उसे बढ़ाने के लिए सक्षम बनाया जाता है, जिससे वे बाजार तक अपनी पहुँच बढ़ा कर अपने व्यवसाय को अधिक लोगों तक पहुँचाती हैं और आय के नए अवसर प्राप्त करती हैं।
- **कृषि- आधारित आजीविका और उत्पादक समूह:** किसान समूह और उत्पादक समितियाँ टिकाऊ और जलवायु के अनुकूल खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण, पशुपालन और अन्य कृषि आधारित व्यवसायों को प्रोत्साहित करते हैं।

## उपलब्धियां 2025–26

**63,404** लोगों तक सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता पहुँचाई

**100** युवा समूह अपने समुदायों में सक्रिय

## कुल उपलब्धियां

**6.06** लाख लोगों तक 2002 से अब तक सामुदायिक विकास परियोजनाओं के माध्यम से पहुँच बनाई गई

**173** विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को 2020 से अब तक समग्र सहायता प्रदान की गई

# सामुदायिक विकास

मजबूत और सक्षम समुदाय टिकाऊ विकास की नींव होते हैं। एचपीपीआई के सामुदायिक विकास कार्यक्रम लोगों को साथ लाने और मिलकर समाधान खोजने पर आधारित है, जो स्थानीय लोकतंत्र और जमीनी स्तर पर लोगों की भागीदारी से जुड़े हुए हैं।

हमारे कार्यक्रमों में शिक्षा, स्वास्थ्य, टिकाऊ आजीविका, कचरा प्रबंधन और सरकारी सेवाओं तक लोगों की पहुँच जैसे विषय शामिल हैं। हम लोगों में स्थानीय स्तर पर भागीदारी और जिम्मेदारी बढ़ाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए, ग्राम पंचायतों, सामुदायिक समूहों, महिला और युवा समूहों तथा जरूरतमंद शहरी बस्तियों के साथ मिलकर काम करते हैं।

- **समग्र शहरी सामुदायिक विकास**: समुदाय-संचालित कार्यक्रमों के द्वारा स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आजीविका, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं तक लोगों की पहुँच में सहायता प्रदान की जाती है।
- **आदर्श ग्राम विकास:** एचपीपीआई ग्राम पंचायतों के साथ मिलकर गाँवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल कौशल, बुनियादी सुविधाएँ, सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने में सहायता प्रदान करता है।
- **विशेष आवश्यकता वाले बच्चे:** हम दिव्यांग बच्चों की सहायता उनकी समय पर पहचान, व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार सहयोग, परिवार की भागीदारी, स्कूल आधारित कार्यक्रमों तथा उन्हें सरकारी सेवाओं और योजनाओं से जोड़ने के माध्यम से करते हैं।

# वित्तीय विवरण

**2025–26**

### अनुदान एवं अन्य स्त्रोतों से आय
**₹65.98 करोड़ (₹65,98,70,553)**

विदेशी योगदान, ब्याज सहित: **₹30.33** करोड़
स्थानीय योगदान, ब्याज सहित: **₹35.65** करोड़

### वित्तपोषण के स्रोत

| | |
|---|---|
| संगठन और फाउंडेशन | 42.61% |
| कंपनियाँ/सीएसआर | 40.81% |
| एचपीपी फेडरेशन नेटवर्क सदस्य | 9.53% |
| अन्य | 5.15% |
| सरकार | 1.90% |
| | 100% |

### वित्तपोषण का व्यय

| | |
|---|---|
| शिक्षा | 46.46% |
| स्वास्थ्य | 17.43% |
| सामुदायिक विकास | 15.35% |
| आजीविका | 12.91% |
| पर्यावरणीय स्थिरता | 7.85% |
| | 100% |

# संचालन

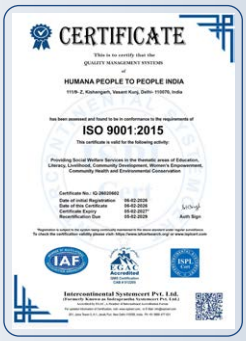
CERTIFICATE
HUMANA PEOPLE TO PEOPLE INDIA
ISO 9001:2015

हम जवाबदेही, पारदर्शिता और अच्छे प्रशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया को वर्ष 2026 में ISO 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त हुआ। यह प्रमाणन हमारे शिक्षा, साक्षरता, आजीविका, सामुदायिक विकास, महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सामाजिक कल्याण सेवाएँ प्रदान करने की पुष्टि करता है।

# ह्यूमाना पीपल टू पीपल फेडरेशन

ह्यूमाना पीपल टू पीपल इंडिया, अंतर्राष्ट्रीय ह्यूमाना पीपल टू पीपल मूवमेंट से जुड़ी संस्थाओं के फेडरेशन का सदस्य है। इस फेडरेशन में अफ्रीका, एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और दक्षिण अमेरिका की 30 स्वतंत्र राष्ट्रीय सदस्य संस्थाएँ शामिल हैं।

हम सभी का एक साझा उद्देश्य: दुनिया की सबसे गंभीर सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और मानवीय समस्याओं का समाधान करने के लिए काम करना है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया नीचे दिए लिंक पर जाएँ।

www.humana.org

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के तहत पंजीकृत
विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम, 2010 के तहत पंजीकृत
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12ए और 80जी के तहत पंजीकृत

Follow us

111/9-जेड, अरुणा आसफ अली मार्ग, किशनगढ़ गांव, वसंत कुंज, नई दिल्ली, 110070
फोन नंबर: 011-47462222
info@humana-india.org www.humana-india.org